दैनिक पंचांग

11 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	तुला में	वृश्चिक 06.40 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	धनु 08.56 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर 11.01 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ 12.48 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन 14.21 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष 15.51 बजे से
शनि	मीन में	वृष 17.31 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन 19.29 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क 21.43 बजे से
		सिंह 23.59 बजे से
		कन्या 02.11 बजे से
		तुला 04.22 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 315 वा दिन दिशाशूल उत्तर ऋतु शरद। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास कार्तिक पक्ष शुक्ल तिथि द्वितीया 15.54 बजे को समाप्त। नक्षत्र अनुराधा 11.38 बजे को समाप्त। योग अतिगण्ड 03.41 बजे रात्र को समाप्त। करण कौलव 15.54 बजे तदनन्तर तैतिल 04.59 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 1.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 22'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872890
जूलियन दिन 2461355.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल तारीख 30
विशेष भाई दूज, यम द्वितीया, चित्रगुप्त पूजा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार हो देखें। © Jagrutidaur.com, Bangalore

नील ग्रहन के नक्षत्र

3	4	5	6
346	248	348	259
490	338	366	349
599	347	690	358

दिन-390-257

मधुर डे-148-188 मधुर नाइट-

मिलन डे-447-146 मिलन नाइट-

भविष्यफल

आज जन्म लिए बालक का फल.....

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, कार्तिक शुक्ल पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय, पूर्वे शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, दोइज, बुधवार, अनुराधा नक्षत्रे, आद्य योगे, कौलव करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, जमात उस्मानी 6 मुर्हूत, मातृ द्वितीय भगनी गृहे भोजनम फल द्रव्यादि भगनी पूजनम यम द्वितीया तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम फलदायक होगी।

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, कुशल शासक-प्रशासक, धनी-मानी, कपड़ा-किराना व्यापारी होगा।

मेष राशि : मनोबल उत्साहवर्धक होगा, व्यवसायिक वृत्ति में सुधार अवश्य ही होगा।

वृष राशि : कार्य-कुशलता से संतोष होगा, इष्ट-मित्रों से कुछ मानसिक बेचैनी बढ़ेगी।

मिथुन राशि : अनावश्यक बेचैनी तथा धन हानि संभव है, तनाव पूर्ण वातावरण बनेगा।

कर्क राशि : इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, इधर-उधर भटकना पड़ेगा, दूसरों के कार्य बनेंगे ध्यान दें।

सिंह राशि : सतर्कता से कार्य करें, अधिकारी वर्ग असमंजस में रखेगा, वातावरण अनुकूल होगा।

कन्या राशि : रुके हुये कार्य निपटा लें, बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, कार्य बन जायेगा।

तुला राशि : स्त्री-वर्ग से हर्ष-उल्लास तथा कार्य-व्यवसाय गति अनुकूल बनेगी ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि : मानसिक विभ्रम रहेगा, इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, स्त्री-वर्ग से हर्ष होगा।

धनु राशि : तनाव व अरोप से बचिये, वाद-विवाद की संभावना बनेगी, यात्रा होगी।

मकर राशि : शुभ समाचार हर्षयुक्त रखेगा, स्थिति यथावत् रहे, इष्ट-मित्र सहयोगी होगा।

कुंभ राशि : चित्तायें मन को बेचैनी रखेंगी, तनाव, क्लेश व अशांति, मनोबल बढ़ेगा।

मीन राशि : प्रयत्न निष्फल होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, व्यवसायिक व्यवस्था बनेगी।

चंद्र गुरु युति का रहस्य

प्राचीन ऋषियों ने आकाश को मात्र प्रकाश का सागर नहीं, बल्कि कर्म और चेतना का जीवंत गणित माना। सचंद्रगुरुयुति या गजकेसरी योग उसी गणित का एक अद्भुत अध्याय है, जिसमें चंद्रमा (मन और भावनाओं का कारक) और गुरु (ज्ञान, विस्तार और धर्म का देव) केंद्र भावों में एक-दूसरे के प्रभाव में आकर ब्रह्मांडीय शक्ति उत्पन्न करते हैं।

युति की गणना

जब सगुरुऽचँद्रमा की दीर्घांश में अंतर 0ए से 15ए के बीच हो (सामान्य युति), या केंद्र स्थिति (1,4,7,10 भाव) में हों। सूर्य सिद्धांत में स्पष्ट स्थान की गणना मध्यम स्थान से संस्कार द्वारा होती है-

स्पष्ट = मध्यम -मंदफल -शीघ्रफल (त्रिभुजाकार मॉडल पर आधारित)।

कर्क लग्न में यह योग विशेष-कर्क चंद्रमा की स्वराशि है, गुरु यहां उच्च राशि (e&alted) में शक्तिशाली होता है। लग्न स्वामी चंद्रमा और 9वें/6ठे स्वामी गुरु का केंद्र संबंध बुद्धि (5वें भाव प्रभाव), सम्मान (10वें), धन (11वें/2nd) और भाग्य (9वें) को प्रबल बनाता है। गणितीय रूप से, कर्क में गुरु की declination और चंद्रमा की latitude का संयोग अधिक सकारात्मक फल देता है।

दुर्लभ तांत्रिक और ज्योतिषीय उपाय

गुप्त चंद्र-गुरु बीजाक्षर साधना- सोमवार को चंद्रमा के उदय काल में ऊं ऐं ह्रीं श्रीं ग्लौं गं गणपतये वर वरद गजकेसरि नमः का 108 बार जप। साथ में सफेद कमल पर गुरु-चंद्र यंत्र (दोनों ग्रहों की स्वराशि में) बनाकर रखें। यह तंत्र शास्त्र के अनुसार मन को सात्विक बनाता है।

रहस्यमयी धातु साधना- चांदी की छोटी डिब्बी में शुद्ध पीला पुखराज (गुरु) और मोती (चंद्र) रखकर, कर्क राशि के दिन (सोमवार) गंगा जल में डुबोकर लगाएं। इसे गजकेसरी अमृत कहते हैं – यह गुरु की उच्चता और चंद्र की शीतलता का मिश्रण है।

तांत्रिक दृष्टि जागरण- रात के 12 बजे (अमावस्या के पास) उत्तर-पूर्व दिशा में बैठकर, ऊं बृहस्पतये चन्द्राय नमः का जप करते हुए कल्पना करें कि चंद्रमा की श्वेत किरणें गुरु की पीली किरणों से मिल रही हैं। यह न्यूरोप्लास्टिसिटी बढ़ाता है।

कर्क लग्न विशेष- पीपल वृक्ष की जड़ में दूध-केसर मिश्रित जल चढ़ाएं और ऊं कर्केश्वराय नमः का जप। यह लग्न स्वामी चंद्रमा को बल देता है।

चंद्र-गुरु युति ब्रह्मांड का वह गुप्त कोड है जो मनुष्य को सिंहासन दे सकता है, परंतु केवल शुद्ध कर्म और सात्विकता से।

गुरु महेश जैन, इंटरनेशनल ज्योतिषाचार्य अनुष्ठानकर्ता, राणापुर जिला झाबुआ मध्यप्रदेश, 7000098868 9425188009

पाला बाजार में हुई घटना, फायर फाइटर ने पाया काबू

आईसर वाहन में गिरा रॉकेट, कबाड़ में लगी आग

बड़वानी। शहर के पाला बाजार में शनिवार-रविवार की रात करीब एक बजे कबाड़ से भरे खड़े आईसर वाहन में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक रॉकेट वाहन में गिरा था। आग से आधे से ज्यादा सामान जल गया और वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ।





चौराहे पर बैठे स्थानीय लोगों ने नाले के पानी और मिट्टी से आग बुझाने की कोशिश की। उन्होंने नगर पालिका को फायर फायटर को सूचना दी। फायर फाइटर मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया।

प्रत्यक्षदर्शी मोनू ने बताया कि वे चौराहे पर बैठे थे, तभी उनके ऊपर से एक रॉकेट निकला और आईसर में जा गिरा। कुछ देर बाद आग की लपटें दिखी। आठ-दस लोग वहां पहुंचे और डिब्बों से नाले का पानी भरकर आग बुझाने लगे, लेकिन आग तेजी से फैल रही थी।

मोनू के अनुसार वाहन में पुस्ते, कॉर्टून, प्लास्टिक और दूसरी ज्वलनशील चीजें भरी थी। दमकल कर्मियों ने आग बुझाई, लेकिन तक तक आधे से ज्यादा सामान जल चुका था। खबर के मुताबिक वाहन में किसी भंगार व्यापारी का माल रखा था। सूचना मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौका मुआयना किया और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ की है कि वाहन किसका था और वहां कैसे खड़ा था।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि दीपावली के दौरान पटाखे चलाते समय सावधानी बरतें, ज्वलनशील सामग्री के पास पटाखे न चलाए और किसी भी तरह की आग की घटना की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को दे।

सेवा, अपनत्व और खुशियों के साथ आशा आश्रय में मनाई दीपावली

बड़वानी। अखिल भारतीय नार्मदीय ब्राह्मण युवा महासभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष प्रबल भार्गव की विशेष अपील एवं प्रेरणादायी पहल तथा नार्मदीय ब्राह्मण समाज इकाई अध्यक्ष अमित उपाध्याय के मार्गदर्शन में नार्मदीय ब्राह्मण समाज युवा इकाई, बड़वानी द्वारा 10 नवंबर को आशाग्राम स्थित आशा आश्रय में आश्रय प्राप्त निराश्रित एवं मनोरोगियों के साथ दीपावली का उत्सव मनाया गया।



इस अवसर पर नार्मदीय ब्राह्मण समाज युवा इकाई अध्यक्ष विपुल चतुर्वेदी एवं उपाध्यक्ष और मीडिया पत्रकार प्रभारी आदित्य शर्मा ने बताया कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि खुशियां बांटने और जरूरतमंदों के जीवन में अपनत्व का उजाला लाने का अवसर भी है। इसी भावना के साथ युवा इकाई के सदस्यों ने आश्रय में रह रहे लोगों के साथ दीपावली मनाई। सभी को अपने हाथों से मिठाई एवं नमकीन खिलाकर वितरित की तथा उनके साथ खुशियों के पल सांझा किए।

इस दौरान सभी ने आत्मीयता के साथ समय बिताया और उन्हें यह एहसास कराया कि वे भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। युवा इकाई की इस पहल का उद्देश्य सेवा, संवेदना और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से लौहार की खुशियां हर व्यक्ति तक पहुंचाना रहा।

कार्यक्रम में समाज के पूर्व अध्यक्ष सुधीर चौरे, अखिल भारतीय नार्मदीय ब्राह्मण युवा महासभा के सचिव शुभम पांडेय, अखिल भारतीय नार्मदीय ब्राह्मण समाज युवा वाहिनी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती नेहा उपाध्याय, रिया बाचें, प्रज्ञा आत्रे, श्रीमती वर्षा नेगी, युवा कार्यकारिणी सदस्य सुमुख शर्मा एवं शशांक पांडेय, आशाग्राम ट्रस्ट के सचिव डॉ चक्रेश पहाडिया एवं सचिन दुबे उपस्थित थे।

लायंस क्लब की पहल से 600 बच्चें मनाएंगे हैप्पी दिवाली



लायंस बस्तियों में जाकर बच्चों को बांट रहे हैप्पी दिवाली किट

बड़वानी। लायंस क्लब बड़वानी सिटी की पहल आओं खुशियां बांटे के तहत 600 से अधिक गरीब बच्चे दिवाली की खुशियां मनाएंगे। क्लब के वॉयस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राम जाट ने बताया कि क्लब प्रतिवर्ष दिवाली पर जरूरतमंद बच्चों को मिठाई कपड़े व पटाखे बांटता है। 9 वर्षों से एक नई शुरुआत की गई है। राज्य आनंद संस्थान भोपाल की पहल पर यह कार्यक्रम चला रहा है। जो बच्चें आर्थिक कारणों से दीवाली की खुशियां नहीं मना पाते हैं। उनके लिए एक किट तैयार किया जाता है। जिसका नाम हैप्पी दिवाली किट रखा गया है। इसमें दीपक, बाती, तेल, नमकीन, मिठाई, फुलझड़ी, अनार व चकरी आदि का सेट रखा जाता है।

क्लब अध्यक्ष श्रीराम यादव ने बताया कि लायंस क्लब बड़वानी सिटी सदस्यों द्वारा कीट का वितरण दूरस्थ अंचल में जाकर अपने हाथो से बच्चों को किया जा रहा है। संतोष भावसार ने बताया कि कसरावद रोड़ स्थित बस्ती में पहुंचकर कई जरूरतमंद बच्चों को हैप्पी दिवाली किट वितरित किए गए। बस्ती के निवासियों ने लायंस क्लब सदस्यों को धन्यवाद दिया और इस पहल की प्रशंसा की। इस अवसर पर समर्थ जाट, शुभम जैन, दिव्यांश यादव एवं संस्कार केंद्र की आशा मकवाना उपस्थित थे। क्लब के पूर्व अध्यक्ष अनिल जोशी ने बताया कि पिछले वर्ष भी जनसहयोग से 600 से अधिक हैप्पी दिवाली कीटो का वितरण किया था। मुहिम में बोहरा समाज के फखरी जाना का सहयोग रहा। लायंस क्लब सदस्यों द्वारा सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।



रंगोली के रंगों में साकार हुई भारतीय लोकसंस्कृति की विरासत

200 से अधिक विद्यार्थियों ने बनाई रंगोलियां, जाना परंपरा का इतिहास और सांस्कृतिक महत्व

विद्यार्थियों ने परिवार के साथ सजाए घर-आंगन

बड़वानी। दीपावली भारतीय लोकजीवन, पारिवारिक परंपराओं और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का उत्सव भी है। इसी भावना को विद्यार्थियों के अनुभव का हिस्सा बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कॉरियर सेल द्वारा आयोजित दीपोत्सव-2026 सृजन, सज्जा एवं रचनात्मकता गतिविधि के अंतर्गत प्रथम वर्ष कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम के व्यक्तित्व विकास विषय के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने अपने घरों के आंगन और प्रवेश द्वार पर आकर्षक रंगोलियां बनाई। इस गतिविधि की विशेषता यह रही कि विद्यार्थियों के साथ उनके परिवार के अन्य सदस्य भी उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

प्राचार्य डॉ वीणा सत्य ने कहा कि त्यौहार हमारी संस्कृति और सामूहिक जीवन के महत्वपूर्ण अंग हैं। विद्यार्थियों का परिवार के साथ इस परंपरा से जुड़ना सराहनीय है। ऐसी गतिविधियां नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत समझने और उसे आगे बढ़ाने का अवसर देती हैं। इस दौरान कार्यकर्ता आरती धनगर और हंसा धनगर ने भी जानकारी दी। इस गतिविधि में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

रंगोली की परंपरा और सांस्कृतिक महत्व - डॉ मधुसूदन चौबे ने कहा कि व्यक्तित्व विकास एक अनवरत और बहुआयामी प्रक्रिया है, जो केवल कक्षा-कक्ष तक सीमित नहीं रहती। इसी दृष्टि से



दीपावली के अवकाश का उपयोग विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए किया जा रहा है। अवकाश के दौरान त्यौहार और पारिवारिक परंपराओं से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। ताकि विद्यार्थी अपने अनुभवों से सीखें और जीवनोपयोगी गुणों का विकास कर सकें। इस दौरान हंसा धनगर, आरती धनगर, भोलू बामनिया, जोया खान, सलीना खान का भी सहयोग रहा।

ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के 3062 पदों पर चयन की जानकारी विद्यार्थियों को दी

बड़वानी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा 3062 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इस महत्वपूर्ण जानकारी से विद्यार्थियों को अवगत कराने के लिए प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कॉरियर सेल द्वारा जागरूकता पहल की गई। विद्यार्थियों को ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से बताया जा रहा है कि कि प्रदेश में लगभग पांच वर्ष बाद ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं का चयन किया जा रहा है। प्राचार्य डॉ वीणा सत्य ने कहा कि विद्यार्थियों को रोजगार, स्वरोजगार और शासकीय योजनाओं से जुड़ी जानकारियों से अवगत कराना महाविद्यालय की प्राथमिकताओं में शामिल है। विद्यार्थी जागरूक बने और अपने परिवार तथा समाज तक उपयोगी सूचनाएं पहुंचाए, इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी जागरूकता का विस्तार होगा। इस दौरान डॉ मधुसूदन चौबे ने बताया कि आवेदन एमपी ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। चयन के लिए आवेदिका का संबंधित ग्राम की निवासी एवं विवाहित महिला होना अनिवार्य है। उसकी आयु 21 से 45 वर्ष के बीच तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है।

प्रभारी पुलिस अधीक्षक ने किया थाना निवाली का आकस्मिक निरीक्षण

बड़वानी। जिले की कानून-व्यवस्था और पुलिस कार्यालयों की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रभारी पुलिस अधीक्षक जिला



बड़वानी विनोद कुमार सिंह द्वारा लगातार थानों का भ्रमण और निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में 9 नवम्बर 2026 को उन्होंने थाना निवाली का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी पुलिस अधीक्षक ने थाने की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। धार्मिक व सात्विक शुरुआत - निरीक्षण की शुरुआत में उन्होंने थाना परिसर स्थित महादेव मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। परिसर व बुनियादी निरीक्षण - थाना परिसर, पुलिस लाइन, हवालात, विवेचक कक्ष, कंप्यूटर कक्ष और मालखाना का गहनता से निरीक्षण किया गया। स्वच्छता पर जोर - थाना परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के लिए संबंधितों को कड़े निर्देश दिए गए। रिकॉर्ड व जानकारी - थाने से संबंधित विभिन्न अभिलेखों और लंबित मामलों की जानकारी लेकर आवश्यक प्रगति लाने को कहा गया।

वृंदावन ग्राम बोरलाय में हुआ गोवर्धन पूजा के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन



बड़वानी। गोवर्धन पूजा के अवसर पर वृंदावन ग्राम बोरलाय में जिला स्तरीय गोवर्धन पूजा एवं गोपाल कृष्ण पुरस्कार का आयोजन श्री कृष्ण गौशाला में किया गया। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद गजेंद्र सिंह पटेल द्वारा अध्यक्षता की गई। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, गौशाला अध्यक्ष दीपेंद्र पाटीदार, प्रगतिशील पशुपालक सहित पशुपालन विभाग के उपसंचालक डॉ राजेश प्रधान सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी की उपस्थिति में भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाईव प्रसारण भी देखा गया।

अतिथियों द्वारा श्री कृष्ण गौशाला बोरलाय में गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपए की राशि अश्विन महेश पाटीदार, द्वितीय पुरस्कार 50000 की राशि जितेंद्र बद्री परमार एवं तृतीय पुरस्कार 25000 की राशि राजेश भगवान परमार को प्रमाण-पत्र के साथ प्रदान की गई। उक्त तीनों विजेताओं द्वारा पुरस्कार की राशि में से 50 प्रतिशत की राशि स्थानीय श्री कृष्ण गौशाला में दान दी गई। साथ ही सांसद श्री पटेल द्वारा गौशाला की बाउंड्रीवाल के लिए सांसद निधि से 15 लाख रुपए देने की घोषणा भी की गई।

पड़वा पर धनगर समाज ने निभाई परम्परा

पाड़ों का दंगल, राम और जिओ टॉवर जीते

दशहरा मैदान में कंतारा को हराया

बड़वानी। शहर के दशहरा मैदान पर मंगलवार सुबह 9 बजे दीपावली की पड़वा पर पाड़ों का दंगल हुआ। धनगर समाज की इस परम्परा को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। दो मुकाबलों में राम और जिओ का टॉवर नाम के पाड़ों ने कंतारा को हराया।

पशुओं की शोभायात्रा निकाली - सूर्या धनगर ने बताया कि दंगल से पहले समाज के लोग अपने पशुओं को सजाकर मुख्य बाजार से दशहरा मैदान तक शोभायात्रा के रूप में ले गए। इस दौरान भारूड़ मोहल्ले में पशुओं की पूजा-अर्चना की गई। शोभायात्रा के दौरान आतिशबाजी भी हुई।





मुकाबलों में कंतारा को मिली हार - पहले मुकाबले में राम नाम के पाड़े ने कंतारा को हराया। वहीं दूसरे मुकाबले में जिओ का टॉवर नाम के पाड़े ने कंतारा को शिकस्त दी।

वर्षों से चली आ रही परम्परा - धनगर समाज में पाड़ों के दंगल की परम्परा कई वर्षों से चली आ रही है। इसमें दो पाड़ों को आमने-सामने मुकाबला होता है। समाज के लोगों का मानना है कि यह आयोजन आपस में मिलने और एकजुट होने का मौका देता है। दंगल के लिए पाड़ों को विशेष रूप से सजाया जाता है।

पड़वा पर घरों में भी हुई गोवर्धन पूजा - पड़वा पर गोवर्धन पूजा भी की गई। सुबह पशुओं को सजाकर उनका पूजन किया गया। महिलाओं ने घरों के आंगन में गोबर से गोवर्धन बनाकर पूजा की। यह पर्व उस मान्यता से जुड़ा है, जिसके मुताबिक द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्रदेव को अहंकार तोड़ने के लिए गोवर्धन पर्व को अपनी अंगुली पर उठाया था।